अभंग ७१

(राग: झिंजोटी - ताल: आदिताल)

करुणानिधि खंडेराया। सत्वर धांवुनि या या।।ध्रु.।। दर्शनविण मज क्षण एक न गमे। दावा दिना निज पाया।।१।। आणिक दैवत कोणी नसे मज। प्रेमें करोनियां गाया।।२।। माणिक म्हणे प्रभु तुझियावांचुनि। जन्म हा जातसे वाया।।३।।